

10065

2594

Bestenfalls

१ क म ज्ञा न व क त क ब द / न व सा क य द्वा सि स गी कू ड् सं क र



ॐ नमः श्रीवक्रसमनाय ॥ ॐ ज्ञां ॐ श्रीमद्वज्रसूत्रवचनवचनकमलाय ॥ संय
मनावरासनकनाय नमः ॥ वेदरुवाविसममसंतानपी ॥ जटिणाय नमः ॥ सु
नयत्यसादन ममाय ह्यनसंतव ॥ श्रीमद्वज्रताकाय ॥ जकिनिवक्रवदि
न ॥ यैव ह्यनैविकायाय ॥ जपाय डगना नमः ॥ यावन्नवक्रताकिना ॥ वि
नसैकत्यवैयना ॥ लाकि कृत्ययवर्हय ॥ आवतीत्या नमः सदा ॥ ॥
ॐ ज्ञां ॐ ॥ मटिराका नपशूना तीरावयत् ॥ श्रीकालेनमद्वयाह्वनं ॥ दवा

नंदुवर्दिन ॥ नूकाननयनागार्थः ॥ ककाननश्चिन्तकवित् ॥ सर्वसखद्वन
नदगाः ॥ उक्तावर्धुदिरुडसंवन् ॥ मात्मानेतावयत् ॥ ॥ नदनैवकव
यनै ॥ दक्षिणदक्षिणाका नप ॥ सूर्यमणुले ॥ वामदक्षिणः ॥ कानपुवर्धुमण
ले ॥ ॐ हः नमदि ॥ स्वादाहं वायदं ॥ हं हं हं ॥ हं हं हं ॥ ॐ वं ॥ हं थो
हं मां ॥ हं हं ॥ हं हं ॥ हं हं ॥ ॥ हं स्वादावर्धु ॥ हं ॥ स्वादावर्धु
॥ ॐ वदसखसंगदात् ॥ वदनेतमनरुनी ॥ वदयमगायिन ॥ वदकंमः

कनारवः॥ ठं ट किं डं डः ३ ॥ गं खा विष्णु न ॥ ठं श्री वड दद ॥ ठं ख पु ला
द दू रुट ॥ ठं ख पु ला द सर्व विद्या नू ल्मा न य दू रुट ॥ सु सु म नु प य पू षा विष्णु
न ॥ ठं अ काना मूर्ख ॥ वलि अ विष्णु न ॥ ठं आः डं ॥ म पु ला विष्णु न ॥ म
नु सा य न ॥ ठं दः दाः दीः अः खं द्वा दा डं ॥ य नः या न पु न्या नी रा व थ न ॥
दी का न प य म रा ड न ॥ मां का न प मा मा किं कृ ष्णं द्वि रु डी व ड व ड दं स
डं का न प वा र्श कृ ष्णं द्वि रु डी व ड व ड दं ॥ न सी य न था ग न म द्वा ना ल

प ड वी रु न य थ न ॥ य नः दः दाः दीः अः खं द्वा दा डं ॥ ठं सर्व रु द का
मि नि सु च रु द गो वे नी गु ड व डी नि को वि ष्णु नि सर्व द व वा यि नि ॥
व न २ डं ॥ ठं अ मृ न अ मृ न य व य डं ॥ ॥ ठं व ड रु म डं ॥ यं
डां डां आं गां नां दं मां कां डां नि कां कां लं कां दिं युं रुं सीं
सुं नं सिं मं कं ॥ ठं यी (प य पि ०) द ग य द न रु द्वा य रु द म ल
य का म ला य कः ॥ म ग्ना ना य म ग्ना ना नि ॥ अ ग्ना ग ॥ ठं दः न मा द

सुहादु वायदु डुडुडाः रुडुडुडे ॥ डुवुदाँयाँदीनाँ डुडुडुडु रुडुडु ॥
डुडुनमनदुडु ॥ डुथागमनदुडु ॥ डुआत्मानमनदुडु ॥ ॥ न न
ः सुडुदय अकानन वडुमपुलायलि वडुडुका न आका ननक
डुका नपुके डुडुका नाने आलिकालियेकि उयः पुकानकडुडुन
धुमवाय नददुनयनिनन वडुयडुवडावाकविडुडुके यान ॥ नुय
सुधुवेनावन वदनासुधुवडुसूर्यः सहसुधुवडुनृत्यधुन ससुधु

नसुधुवडुनाडी विडुनसुधुवडुसर्व सर्वनथागतवु धीरुनवडु
डु वडुयामादवडी आगयादुवडु घागयात्रीवडु वडु
नागवडी सधुधुमासुधुवडी सर्वयनन धीधुधुवडी ॥ पृथुवाडु
याननी आयुवाडुमानिणी नडावाडुनाकवडी वायुवाडुयडुनृत्य
धुनी आकागवाडुयडुदालिणी ॥ यनना आलिकालियेकि मधु न
काननसूर्यमपुले नभाधुडुका नयनिनामन सगवनडुडुवडु

यमुं यथमनुजायां वडावडाघथावनं द्विनियायां खड्गमर्दमीयाभाः
रुमियायां उमनखदांगः वडुमर्खं वडास्थामनकयीनं काकाथाव
सा उलुकाथा थामा धानाथानका थकनाथायीना यमउरीक
सुयीना यमदुनीयीननका यमडुधिनकथा मा यममथनीथामकः
सा ॥ उं सूननी सूरुदुदुदु ॥ उं दूदुदुदुदुदु ॥ उं दूदुदुदुदुदुदु ॥
उं नानयदा रगवविद्या नाडुदुदुदु ॥ ॥ ननाआका नकोनः

असूर्यमधुले नलमथादुं कानगविश्ववडुं डुं कानाविष्ठिनं नडग्भिनाः
यवदुलुयमा ॥ वडाकनीकानुये नथागनीवडुमयीदुमिविरावः
॥ उं मदिनीवडीरुववथदुं ॥ उं वडायाकानदुवेंदुं ॥ उं वडायेडुवडु
येदुं ॥ उं वडावीगानदुखेंदुं ॥ उं वडागनडालुगं गं ॥ उं वडाका
लानलाकेदुं ॥ डुं कानजादुदुगुयाकानसमीदुधनिवनिगानुं ॥ उं दू
दिविघ्नानुदुदयकिलयः ॥ उं घेय घाटये २ सर्वविघ्नानुदुदुदु ॥ उं

वडाकिलय २ सर्वयायान्दुंरुट् ॥ उं वडाकिलयवडावाजाह्ययथि स
वेविद्यविनायकानां कायेवाकविलवडाविलयदुंरुट् ॥ उं वडामुद्रन
वडाकिल आकाटय २ दुंरुट् ॥ उं निनिविद्यरावथि ॥ ॥ नरुं
दुदमुः दुं काननभिभिरुं गदर्थः कृत्वा अकानिस्तुवेनगत्वा नवस्तु
अनादेससिद्धि श्रीचक्रसम्पन्नरुगवन् रुगवनीसमायन् समानुलय
यथान् ॥ नरुं दुद्वीजनभिभालारिनाकृष्ट हनवर्क आकागदगद्व

अरिमुखमरिसंयुद्ध समनुसमथमपुलयविश्व समनसीकृत्य म
नामयिरिः वडादवीरिधयुजयन् ॥ रुं ३ ॥ उं श्रीवडादनुकयवनक
नाथ यादुं अद्य आचमन यतिबुद्धादा ॥ उं दुं वडा ॥ ॥ यय
याग ॥ उं श्रीवडादनुकयवनकयतिनीजानसर्वनस्वादा ॥ उं दुः ददुं
दुंरुट् ॥ उं उं उं सर्ववदुताकिनीयवडावधुनीयवडावनाचनीयदुं
दुंरुट् ॥ उं उं उं सर्ववदुताकिनीयवडावधुनीयवडावनाचनीयदुं
दुंरुट् ॥ उं उं उं सर्ववदुताकिनीयवडावधुनीयवडावनाचनीयदुं

सुधुनाहंरुद्र ॥ ठंनुयिनिथंरुद्र ॥ ठंवाविबिरुमृत्ता ॥ ठंरुद्र ॥ ४५
ठंकाकाथंरुद्र ॥ ठंउलुकाथंरुद्र ॥ ठंघानाथंरुद्र ॥ ठंभुवना
थंरुद्र ॥ ठंयमगुलियंरुद्र ॥ ठंयमदुनीथंरुद्र ॥ ठंयमदेद्विय
रुद्र ॥ ठंयममथनीथंरुद्र ॥ ठंवपुगोयसादा ॥ ठंगदनाथसा
दा ॥ ठंवालाउलाथसादा ॥ ठंकनकनवाथसादा ॥ ठंजुददासा
थसादा ॥ ठंलक्ष्मीवनदुगाथसादा ॥ ठंधानाथकनाथसादा ॥ ठं

किमिकितालवाथसादा ॥ येवायहानयुजा ॥ याउगलाथा ॥ ॥
ठंवडावीनरुद्र ॥ ठंवडावेथगी ॥ ठंवडामृदंगदीः ॥ ठंवडामनूडजुः
ठंवडानाथरुद्र ॥ ठंवडामालुगी ॥ ठंवडगीनदीः ॥ ठंवडानृत्यजुः ॥
ठंवडायुधरुद्र ॥ ठंवडाधुयगी ॥ ठंवडावलोकदीः ॥ ठंगववडजुः
ठंनसवडजुः ॥ ठंवडादंगीरुद्र ॥ ठंयगवडादाः ॥ ठंवमवडुवड
रुद्र ॥ धंधावादन ॥ मृगि ॥ सर्वरुद्र ॥ नसंददं ॥ जगदथयसाधक ॥

ॐ नमो वायव्यवर्माभ्य नमो वायव्यवर्माभ्य ॐ नमो मद्राष्ट्रमाथ
कानवयूषाथ ॐ नमो ॥ नमो वायव्यवर्माभ्य नमो वायव्यवर्माभ्य ॐ नमो
दिनमघमखिलनिदिनेदाया ॥ यतिदश्यामियूननः पूननववर्माभ्य
सेवनविद्वेषावक ॥ यतिदिनाहमदिनसूतसूतानि ॥ कृष्णलानि
गुणमादिनानि ॥ वा ॥ वासस्यकृष्णिणामयाम्यदिननवादीन ॥ दिनय
सनंवायव्यवर्माभ्य नमो वायव्यवर्माभ्य ॐ नमो मद्राष्ट्रमाथ

भासवत्यादिथागः ॥ यथमसमाधि ॥ ॥ धर्मजाय ॥ आ. या. य. य. ला.
द्य. म. न. ॥ ॥ धर्मवतिरावका ॥ ॥ यंकावणवायुमधुलायाने नडात
यो आः ड निरुमधुनित्यत्रुलिकायानि यद्वसाजननरुकादियानियुनि
न. वं. आ. डी. खं. डं. ला. मा. या. गो. वा. कानडागदविष्टित यंममृनयंनयुदी
यत्रुयननिष्ठाद्य यवनमधुलवलयनिनद्धालिनामिस्त्रयाविलीन माना
दनादिकं अरिनवरातूनध्वंशलाक नदयनीडं कानडात विनकि

मागान्निताधामूखामृनमयधुकाखद्वीगं नद्यायाविलीन यानदसदृशं
भीतीदुर्गवालाक नदयविडं आः डं रुयदननयं डं द नदभयथ द
नदियन्ररिन्धो वीनवीनध्वनी रुनामृनमानिय पुनगाडडा नडं कानादि
कमसाविलीनमालाक यद्वनदेवाविनिष्टत ॥ डं आः डं ॥ गनं उमूडादि
नयत ॥ आ. या. य. य. सा. य. म. न. ॥ ॥ गेतना आलिकालियविननं च
डसूर्यकनदयानुगता डं कानदहृष्ट ॥ डं अथायानुगता सर्वधर्माः ॥ डं

यिथादियुक्ता ॥ उं कडरुमदं ॥ उं यी ॥ ययी ॥ यसादा ॥ उं कृ ॥ यकृ ॥
यसादा ॥ उं कृ ॥ यय ॥ यसादा ॥ उं म ॥ यय ॥ यसादा ॥ उं
म ॥ यय ॥ यसादा ॥ ग ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ विकल्पकल्पदि
नकृ ॥ गदाविनी ॥ ग ॥ यय ॥ यसादा ॥ विरु ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥
॥ ग ॥ यय ॥ यसादा ॥ उ ॥ यय ॥ यसादा ॥ स ॥ यय ॥ यसादा ॥ क ॥ यय ॥ यसादा ॥
य ॥ यय ॥ यसादा ॥ उ ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥

ना ॥ दद्यानिष्ठित्यातिल ॥ कमदितायियस्वधाना ॥ यय ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥
नाविकलस्वानेदनेदादवा ॥ यय ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥
कायाकुनेः ॥ यय ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥
सम्वत् ॥ यय ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥ यय ॥ यसादा ॥

[illegible][illegible]

नमो ध्याम्यविलम्बाम क. गदाती द्युत्थायहननृउमीमिहवजनाधः ॥ ७ ॥
ॐ नमो देवकायः देवकायनमस्तु ॥ मानमायाविमदिन ॥ शुन्यताकवृणारिद्र
स्वरावृत्तमधुनः ॥ १ ॥ श्रीविनयं जगद्गद्गा याउनेवात्मायागिणी ॥ नमो यावमि
मूकं मानमधुनमास्तु ॥ २ ॥ द्वयाकान्तं जगद्गद्गा जगद्गद्गा नय ॥ रमीनी
वृयधनीवकीः तस्मात्तुगीवाः नमास्तु ॥ ३ ॥ मोलकान्तं जगद्गद्गा जगत्मातुय
मानये ॥ श्रीवावृयधनीवकीः तस्माच्चिनीः नमास्तु ॥ ४ ॥ मानाकान्तं जगत्

दृष्ट्वा जगत्मातुयसान्नयः ॥ वतानीवृयधनीवकीः तस्मात्तुवतानिकान्तमः ॥ ५ ॥
वागाकान्तं जगद्गद्गा जगद्गद्गा मानये ॥ धंवा नवधम्भीनीवृय तस्मात्तुयस्मानिकान्तं
नमः ॥ ६ ॥ नमः युक्तसिवादेवि नमः गवचिकेतथा ॥ नमः शुभालिकेतव देवा
श्रीशक्तिनमः ॥ ७ ॥ नवात्माजननीदेवा नववीजादवाद्गद्गा नवमृग
तादेवा नवयागीनीनमास्तु ॥ ८ ॥ नवात्मास्तु निसमाय ॥ ९ ॥
ॐ नमः श्रीवृद्धावाधे ॥ मायावृत्तमिगाया कलदनयसिया विष्णुदा

ता मूक केशिनिर्गं वन्दे दवी सदा वै चन्द्रनिभामाविश्वव्यापकवृत्त्या ॥ ७
ॐ नित्यवर्णनसंसिद्धिदक देव्यास्मृति समाक ॥ ७ मन्त्राश्च मालाणां धन
॥ अष्टवल्गुकावृत्त्याश्च ॥ अमरविष्णुलगाणां अविर्गं सर्वं योऽयं दशम
दाया न वृद्धं महं वृद्धं कर्तुं क्षमं सर्वं स्वाहा ॥ मूलमन्त्रं कुरु यथाय ॥ ७ ॥



श्री कृष्णाय

नमो नमो नमो नमो नमो
उत्तराय नमो नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो नमो

नमो नमो नमो

नमो नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो

नमो नमो

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥
 ओम् नमः शिवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र समागतम् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सदा ॥
 जनार्दनो माहात्म्यं त्वया ह्यनुपूर्व एव ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

[illegible]

युष्मात्तासमादृष्टीद्वयं न्यमाने

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

एव "सिद्धिदाता" इत्यत्र "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ २ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ३ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ४ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ५ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ६ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ७ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ८ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ९ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १० ॥

सिद्धिदाता

अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ ११ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १२ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १३ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १४ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १५ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १६ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १७ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १८ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ १९ ॥
 अथ "सिद्धि" इति शब्दः ॥ २० ॥

[illegible][illegible]

10 3 2 1 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कर्माणि विनाशकारिण्यन्तः प्रविष्टानि ॥
 तेषां हि निमित्तं प्राप्नुयामहे मृत्युमहत्तमम् ॥
 अथैषां हननार्थं यथाज्ञेयं वदस्व मे सुधी ॥
 श्रद्धावान्भक्त्या येन भक्तिर्योगो जितवान् ॥
 सदा मुनिपुङ्गव त्वं ब्रूहि मे सुप्रसन्नचित्तम् ॥

सर्वभार्यसमायुक्तमादसिद्धि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि
 उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत
 सज्जनपात्राः समायाज्यते ॥ १ ॥

अथ हिमं विजि के वना ॥ अथ

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

